

DPN 6153

Title : म्ये सफू MYE (ME) SAPHU
(के)

Run. No. 6844

Cat. No.

Micro. No.

Subject *sayas* ४

Religion : Hindu / Bauddha ✓

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. / Hindi ~~as a pal~~ ✓

Size in cms. 15 x 9.3

Folios 11 Lines (in a page) 9

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

P. T. O.

संस्कृत कथाओं के शीर्षक

- 1) सीता, राम, लक्ष्मण, हनुमान, और शत्रुघ्न की कहानी
- 2) रामायण, महाभारत, और पुराणों की कहानी

3) रामायण, महाभारत, और पुराणों की कहानी

रामायण

1) रामायण की कहानी

2) रामायण की कहानी

गजलालारवो॥ तुम्हें चानदेवह ने मेरा हा लुत्तुमहारि ३०
वनधर ॥ जहाँलो येहिद नोहभारीहे दिने ननस वांगो
बुधुर ॥ मनीसे देवदला पे ॥ राटिन ॥ जो यही है धरे स
वायेनलगाया ॥ चौ० - इसीसे हो भला हर्दमू मिले आन
द भारीहे ॥ लखो० दो० - पतिसे वाश अधिक्त नोह और
धर्म वृत्तनेमा विनास्वामि पुजनकीये हाये को गिधि
क्षाम् ॥ वडाओ प्रेमप्रतिपदमे मोटे तन्हु लोफम रहे ॥
लखो० दो० - श्री सीता कृतिसाति कौशलपादिक् नारा
मणासावाचा करमूण थि पति आशा करि ॥ चौ० - इसीसे

आजतक दुनिया मे ई नन्हा नाम जारी है ॥ लखो ० दो ० - नीज
 नीज धोनि धारकी सुख दायक तिन जौन ॥ शील वति सो
 भाग्यवति सत्यवति तीय तीन ॥ चौ ० - ई सिक्का धन्य जि
 वन अनमे स्वर्गाधि न्कारि है ॥ लखो ० दो ० - सास ॥ सुर
 पद पुजिये लहिये अचल असिल ॥ त्यागि कलह गृह का
 ज सब न्कार ज बिस्वा वीत ॥ चौ ० - भलाई मंत्री पंहुन ये
 से कामो सेतु भरी है ॥ लखो ०



॥ राग सिद्धा जमा ॥ ई च गुमाना रा ओ देस्वर मा हो देव चुनि
 मा जुटर सन पाये हूँ ॥ देव दक्ष सया गुरु श्री मा हामं जु
 श्री भगवान् दूर सन पाये हूँ ॥ व ॥ विद्या धरि मा जु भद्र
 मति धोरी नाग भगवती दूर सन पाये हूँ ॥ हनये पिमा जोगी
 वर हूँ तिपासी लामा जु फुर्सि घेल पा मन मे जु देव हूँ ॥ २ ॥

15
10
कुलवारि गुह्यधरि वालकंठनारायन षपंति मागनेश
वनेहा ॥ भोलाथचन्दे धरि बुधांनीलकंथनारायन गांचो
सदरसरागोयेहो ॥ ३ ॥ विष्णुनाथवागसुरि मारो चुद दह
नस मारो लिंगदरसन पायेहो ॥ सकोटसमा वज्रयोगिनी
मारो लिंगमोलूहे ये चंगुनारांदरसन पायेहो ॥ ४ ॥ ईदसमा
सरधति येमिदेस वालकुमारि खोपदेशया सुज विनायेक
हो ॥ भोतदेशया चंद्रेखरि नमोबुद्ध धर्मराज वंसुसमोल
हयेथनिहो ॥ ५ ॥ धौरेवलयामहादेव वादेशया वज्रधारा
ही वरुनासेदरसन पायेहो ॥ चंतुर्भुज नागरा संगुया

5
वज्रयोगिनी दरि वरुनासेदरसन पायेहो ॥ ६ ॥ त्वांगाया मे
ख तहदया नागीनी चोस्पगरो सया के वनेहो ॥ ७ ॥ ला
या वालसूकी नागीसधिदाता जनपातिलो के भरदरस
न पायेहो ॥ ८ ॥ केपुया मेख तखूतिया नीलवारहि वरुध
रि दरसन पायेहो ॥ भुतिसया भुजादेव अहिनि यागर
भगवति दरसन पायेहो ॥ ९ ॥ चावहि यागरा घति खासि
या धर्मराज गुह्यधरि दरसन पायेहो ॥ श्रीजयेपसुपति
वाल भुकिरागराजा दक्षकुडुल दरसन पायेहो ॥ १० ॥

लुमटि पा भदुवालि पचलिया भैरव तले जु पा नवदुर्गा मल
 नीहां ॥ नेपाल पा दूती श्री राजारज्येन्दु सोहव पा पता पवल
 ॥ १० ॥ राग ॥ बलि ॥ बुद्ध धर्म संग जो तिनि तपे दरसन पाये ॥ ११ ॥
 मध्यदुवारस सिंह वाहन श्री वैलो चन मुनी ॥ गथिन वस पोला पा
 रूप हेमाल पाई नरे ॥ १२ ॥ पूर्वदुवारस गज वाहन श्री अक्षो भ्यमु
 नीरे ॥ गथिन वस पोला पा रूप आकास पाई नरे ॥ १३ ॥ दक्षिन दुवा
 रस तुरंग वाहन श्री रत्न स भव मुनीरे ॥ गथिन वस पोला पा रूप मु
 बर पाई नरे ॥ १४ ॥ पश्चिम दुवार म पुरवा हरा श्री अमृती ॥ व
 मुनीरे ॥ गथिन वस पोला पा रूप ही गुली पाई नरे ॥ १५ ॥ उत्तर दु

वारस गहद वाहन श्री अमोघा सधिरे ॥ गथिन वस पोला पा रूप
 वरी पाई नरे ॥ १६ ॥ पंच बुद्ध नाम काये मन अतिर स पाये ॥
 सधि जन थो संसार सरक्षा पाये माले ॥ १७ ॥ ॐ ॥ राग ॥
 बीरने मते कृष्ण देव ने वाढा ॥ १८ ॥ दिगुलि नीरु न लख कोये
 तो रचि ना नवति नी पा हां वार सना ॥ बीबी छि हि सि मुदुसा
 लि मते गा थो जो ना मे न लाला मवनं ख नी वद्ध धाई ला
 ज्या मचा सर मगा थि ना ॥ १९ ॥ धि वार कर मपी ने ठे सने ला पि
 सो ये मद्या ला थु कि न ॥ तये मते न पत दिगुली सं ना पत

वेरधनं कुलधोसरीर ल्यापेयाजोभन ॥ १ ॥ चानं हि न दुज्याथे
खनाथासंजोने तोलना व विवथुगु बलन ॥ २ ॥ दिमपोन्या सिचा
सनागु दुताल न केलेहनं मिरना न स्वयाव ॥ ३ ॥ पनेमते वनेते
ल जितन्याई मा म न हनी व येदि हें चोने व थनं ॥ ४ ॥ दिन
यानाकारां थुगुवातिगुलरे गर्भस लाला गर्भस माचा
दुगुजिला दन पापिमिजनं यायग दुजनन ॥ ५ ॥
गजनतान ॥ जगादिसई सप्पोरे हिरटे मे मेरिजाजा ॥ तेरा स्वरु
प पुराणा मुकुको प्रभुदिरना जा ॥ टेक ॥ तुम्हनाम श्रीवीरकार
रि सवपाप दोहाहारि ॥ तुमारे दूविषीयारी दिलामे मे

रि विधाजा ॥ १ ॥ तुं हे दयाशिक्षा ना सर्वा विधमे समाना
॥ नितवेद गुरावरवारा दर्शन मुझे दिलाना ॥ २ ॥ गुराहीन
दिन भारि प्रभुमे सराण तुमारे ॥ मुजेली जिये डंवारि भट
वजालसे दुदाजा ॥ ३ ॥ करके दयानिहारो प्रभुदास हुत
मारे ॥ वंसा नंद वंदतारो श्रीमरुपमे मिलाजा ॥ ४ ॥ ०



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सो भवार्थार्थकोरुपेयमात्मा
ह्यभवाकोमिति

सो भवार्थार्थकोरुपेयमात्मा
ह्यभवाकोमिति

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मिति

वाचन

भयानक

दीनका

१६१२१५

गोम अष्ट

१६१२१५

१६१२१६

अष्टमि

१६१२१६

१६१२१७

श्रीगुरुदेव

१६१२१७

श्रीगुरुदेव

१६१२१७

१६१२१८

श्रीगुरुदेव

१६१२१८

१६१२१९

श्रीगुरुदेव

१६१२१९

१६१२२०

श्रीगुरुदेव

१६१२२०

१६१२२१

श्रीगुरुदेव

१६१२२१



१६१२२२

१६१२२२

१६१२२२

॥ राग विहरि ॥ सीतलामाजु सो हुने गाल घगाथे न ह. गाल ॥ धु
 सि यामदु ना यामदु ना यामदु कचि मचा न पे मदु ॥ स्वामि जु
 जु या हु कु म जु ला थ नि ॥ १ ॥ ना गी चो प का वा जं था य का सि पाई
 नं चि रे या त का ॥ बाल घ म चा पी त ना द्ये ना ॥ २ ॥ ग न व ने ग न चो
 मे श्री म शे न मा हा रा जा ॥ बाल ख म था अ ति दू ख सि ला ॥ ३ ॥
 द म म चा लु कुं दि ना न सा व जि वे कुं च्या ना ॥ व ने माल म मा खु
 सि पारि ॥ ४ ॥ द म म चा लु कुं दि ना द म म चा वे कुं च्या ना
 ॥ व ने माल ना मा खु सि पारि ॥ ५ ॥ लु पा गु किं किं पा ने व

ह या गु द्वा फो साना ॥ द्या ये नि नं द ल पो न या त ॥ ६ ॥ ठो
 म चा म्वा के ध का पे म जे सि के ना सो या ॥ थो म च म्वा
 ई म खु धाल ॥ ७ ॥ थो म चा म्वा का बी ला सा पालि जा म
 न वु तो ते ॥ थो म चा व चे नु इ म खु धाल ॥ ८ ॥ क या न्मु
 स न्द ल लामा जु नो पे वि ली सि त लामा जु ॥ ये नि की
 स न्द ल लामा जु पा के फो मे ॥ ९ ॥ द स दे व वि ल जि
 त द म दे न ह रे या त ॥ जि गु भा पे अ मा गि त्री लु ल ॥
 १० ॥ सि न म चा ई पे म दु म चा गाले थु ने म दु ॥ मा म

15
नुवा नुगाद्या घागोला ॥ ११ ॥ वाह्य मचा मामनं जोरयेग
स मचा नुगानं जोरये ॥ नामा नुनि नोवा नासितान
॥ नैपालया दन पति श्रीमहाराज भिमसेन ॥ संसार
दुनीया उधार नु प्रमाल ॥ १२ ॥ ० ॥

5
रामचली ॥ श्रीभगवान् नरै नरवारकी आत्मा सुनेहे भिक्षुगानस
वाटे व ॥ राजकुमार गर्भ मे पूर्ण शुद्धोदन महाराज अंकुल मे ॥ व
तिसलक्षन अपूर्व देखे व्याव्या कहें सूने वात लाई ॥ पै ॥ वाग मे कु
ल शुग नाना प्रकारकी फुल फुल नलागि ॥ वाहिमाल पर्वत के
सब हाती के वचा सबहि मिलाकर आई ॥ १ ॥ कपिल वस्तु महानगर
के धोका दोको मे पहरा ने लाटे वक न्यारि सबहि मिलाकर कपि
लमगर मे फिर ॥ २ ॥ वरपि पल्लु लसि सगहि नाना प्रकार कि प्रकत भ
ई ॥ रत्न पूर्ण दोरवाका सूवर्ग चारा प्रकत भई ॥ शुग न सितल अंतर के

गगरि सगहि पुर्ण होई ॥३॥ वाहु जार सुवर्ण घटा कपिल नगर मे चेरान
नी ॥ बहुन फौज नाग किं कं न्या अश्विनी नम मे बैठ रहि ॥ वारह जार दे
व कं न्या आदि शुग-धन लू को मारि पगारि ॥ ४ ॥ करण लशंकर भेरिले कर अ
सुरा सगहि बैठ रहि ॥ ५ ॥ बेटे बेटे अगम समुद्र बग्य नहीं सब बैठ रहि ॥
दरबार बहिर सगहि वायु धिर रहि भर बैठ रहि ॥ ६ ॥ माया देवि जा के
शुद्धोद्धार की पास मे विनति को ये हो ॥ नन विहार करेण माहाराज
बहुत मन निरई दा भयो हो ॥ सरिबिसव मील कर माया देवि न मे
प्रवेश भई हो ॥ ७ ॥ कोठिल सगहि न सगहि पंदि सुधुर नोल

नलागी ॥ आनन्द सितल शुगंध फूल काहा भगमग चलि
रहि ॥ सगहि भगवान् मीली के अक्षदेव दास को तारो ॥ ८ ॥
गजलताल ॥ पाप प्रवर्त्म को जाना करि के परम ईश्वर को ध्या
न धरो ॥ ९ ॥ का नाखुं वा काहा से आया सोहि मन मे वीचार क
रो ॥ दुःखि दरीद काहा से आया परम ईश्वर को ध्यान धरो ॥ १० ॥ साहु
सोखि न काहा से आया सोहि मन मे विचार करो ॥ दान पुं नम से दौलत
न होगा परम ईश्वर को ध्यान धरो ॥ ११ ॥ भागे का दौलत पीछे दरी
सोहि मन मे विचार करो ॥ असार दौलत आपन होगा परम ईश्वर

रजोध्यानधरो ॥३॥ अनगुनसेपहीतहोगा साहिमनमेवि चारकरो ॥
देनके दासने भजनकरि परमई शरको ध्यानधरो ॥४॥ ० ॥



श्री लो श्री क्री ॥ १ ॥ व र म ड क द र
काहे श्री ठ न ग ले छु न वा क ड न



10

5

0